c. परि *i. q. simpl.* N. 3. 1.: एतान् परिपप्रच्छ. *C. acc. p. et r.* N. 16. 31. Dr. 4. 13.

c. प्रति *id.* R. Schl. I. 8. 18.: अमात्यान् समाहूय प्रतिप्रच्छति निश्चयम्.

c. सम् *id.* Mah. 3. 11364.

प्रज्ञा *f.* (r. ज्ञन् praef. प्र, abjecto अन्, suff. अ in *fem.*, v. gr. 645. suff. अ) 1) progenies. N. 1. 5. 2) creatura. 3) *Plur.* प्रज्ञास् subditi. N. 5. 45. Sa. 1. 17.

प्रजागर *m.* (r. जागृ praef. प्र s. अ) vigiliae, pervigilatio. Hit. 102. 9.

प्रजागरा *f.* (r. जागृ praef. प्र s. अ in *fem.*) nom. pr. *Apsarasae.* In. 2. 30.

प्रजापति *m.* (*tatp.* e प्रजा et पति) cognomen dei *Brahmae.* M. 1.

प्रजायिनी *f.* (r. जन् praef. प्र abjecto न् et producto अ, suff. इन् in *fem.*, inserto य् euphonico, v. gr. min. 49[a].) genitrix.

प्रजावत् (a प्रजा s. वत्) progeniem, liberum *vel* liberos habens. Hit. 40. 5.

प्रज्ञा *f.* (a r. ज्ञा praef. प्र) intellectus, intelligentia, sapientia. Bh. 2. 11. N. 15. 12. *in fine comp.* *bah.*

प्रज्ञाचक्षुस् *Adj.* (intellectus oculos habens, *bah.* ex praec. et चक्षुस् oculus) coecus. Sa. 5. 92.

प्रज्ञावत् (a प्रज्ञा s. वत्) intellectu praeditus, intelligens, sapiens. Hit. 52. 12.

प्रणय *m.* (a r. नी praef. प्र s. अ, v. gr. 94[a].) affectio, benevolentia, amor. Sa. 5. 41. Dr. 9. 17. *in fine comp.* *bah.*

प्रणयिन् (a praec. s. इन्) 1) *Adj.* appetens, desiderans. Megh. 3. 10. Ur. 46. 4. *infr.* 2) *Subst. m.* amator, amasius, amatus. Megh. 40. 64. 95.

प्रणव *m.* (a r. नु laudare praef. प्र s. अ, v. gr. 94[b].) syllaba mystica ओम् q. v. Bh. 7. 8.

प्रणष्ट v. नश्.

प्रणाश *m.* (r. नश् praef. प्र s. अ, v. gr, 94[b].) occasus, interitus, ruina. Br. 1. 23.

प्रणिधान *n.* (r. धा praef. प्र + नि s. अन) meditatio. Ur. 54. 9. *infr.*

प्रणिधि *m.* (r. धा praef. प्र + नि s. इ) explorator, emissarius. Hit. 88. 8.

प्रणिपात *m.* (r. पत् c. नि praef. प्र, v. gr. 94[b].) actio procumbendi. Bh. 4. 34.

प्रणुन्न v. नुद् praef. प्र.

प्रतान *m.* (r. तन् praef. प्र s. अ) planta repens. Ragh. 2. 8.

प्रताप *m.* (r. तप् praef. प्र s. अ) 1) calor, aestus, ardor. Med. 2) majestas. 3) *nom. pr.* Dr. 2. 11.

प्रतापवत् *Adj.* (a praec. s. वत्) majestate praeditus, augustus, excelsus. M. 1. Sa. 5. 40. Bh. 1. 12.

प्रति (ut videtur, a प्र s. ति) *Praep. insep. et separ.* (v. gr. 111.) contra, e regione, erga, versus, retro, ad. *C. Acc.* In. 5. 5. H. 3. 6. Dr. 8. 30. Circa, quod attinet ad. N. 19. 32. (Gr. πρότί, ποτί, πρός e προτ; hib. *frith, frioth,* e. c. in *frithbeart* «I object, oppose», *frithbhuille* «a back stroke», *frithshearc* «a return of love, mutual regard», *friothchuirim* «I oppose, obstruct», *friothbharamhuil* «a paradoxe»; bohem. *proti*; russ. *protiv*, v. प्रतीप; lett. *pretti*; lith. *priĕsz*; lat. *prae* = *prai* e प्रति; e *pot* = ποτί per assimil. orta esse videntur *por, pol, pos* in formis ut *por-rigo, pol-liceor, pol-luo, pos-sideo*; cf. Pott. I. 92. Ag. Benary 185.)

प्रतिकूल (*bah.* e प्रति et कूल *n.* ripa, littus) adversus, iniquus. Sak. 6. 16.

प्रतिकृत v. कृ praef. प्रति.

प्रतिकृति *f.* (r. कृ praef. प्रति s. ति) imago, effigies, *portrait.* Ur. 23. 3. *infr.*

प्रतिक्रिया *f.* (r. कृ facere praef. प्रति s. या mutato ऋ in रि, *cf.* gr. 498.) 1) officium mutuum. 2) actio resistendi, repugnandi; defensio. Hit. 130. 13.

प्रतिक्षणम् *Adv.* (*avy.* e प्रति et क्षण momentum) 1) momento, statim. Hit. 97. 15. 2) quovis momento, perpetuo. Hit. 59. 17. *Cf.* अनुक्षणम्.

प्रतिग्रह *m.* (r. ग्रह् praef. प्रति s. अ) donum. Sak. 23. 5.

प्रतिघात *m.* (a घातय् *Caus.* r. हन् ferire - v. gr. 524. 4. - praef. प्रति s. अ) actio arcendi, avertendi, defendendi.